PG/IVS/HIN-404/15

M.A. 4th Semester Examination, 2015

HINDI

PAPER – HIN-404

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

GROUP–A

Special Paper : (*Premchand*)
विशेष अध्ययन का पत्र : (प्रेमचन्द)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य हैं । शेष प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(क) दिहात के किसान अपना काम छोड़कर मजूरी के लालच से दौड़ेंगे, यहाँ बुरी-बुरी बातें सीखेंगे और

अपने बुरे आचरन अपने गाँव में फैलाएँगे । दिहातों की लड़कियाँ, बहुएँ मजूरी करने आएँगी और यहाँ पैसे के लोभ में अपना धरम बिगाड़ेंगी । यही रौनक शहरों में है । वही रौनक-यहाँ हो जाएगी । भगवान न करें, यहाँ वह रौनक हो ।

(*ख*)लज्जा ने सदैव वीरों को परास्त किया है । जो काल से भी नहीं डरते, वे भी लज्जा के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं करते । आग में झुंक जाना, तलवार के सामने खड़े हो जाना, इसकी अपेक्षा कहीं सहज है । लाज की रक्षा ही के लिए बड़े-बड़े राज्य मिट गये हैं, रक्त की नदियाँ बह गई हैं, प्राणों की होली खेल डाली गई है ।

(*ग*) सारे शहर की दावत करो । कोई मुज़ायका नहीं, अगर खजाना खाली हो जाए । हर एक सिपाही को निहाल कर दी । और अगर इतनी रियायतें करने पर भी कोई तुम से खिंचा रहे, तो उसे क़त्ल कर दो । मुझे इस वक्त रूपये की ताकत से धर्म और भक्ति को जीतना है ।

(*घ*) आज से भाई-भाई शत्रु हो जाएँगे, एक रोयेगा, दूसरा हँसेगा, एक के घर मातम होगा तो दूसरे के घर गुलगुले पकेंगे, प्रेम का बंधन, खून का बंधन, दूध का बंधन आज टूटा जाता है । उसने भगीरथ परिश्रम से कुल-मर्यादा का वृक्ष लगाया था, उसे अपने रक्त से सींचा था, उसको जड़ से उखड़ता देखकर उसके हृदय टुकड़े हुए जाते थे ।

2. ''सूरदास के चरित्र पर गांधीवादी विचारों का प्रभाव हैं ।'' इस कथन को प्रमाणित कीजिए । 12

3. '''गबन' में मध्यवर्गीय चरित्र की खोखली प्रदर्शन वृत्ति को प्रस्तुत किया गया है ।'' इसका विवेचन कीजिए । 12

4. नाटक तत्त्वों के आधार पर 'कर्बला' की सफलता-असलता पर प्रकाश डालिए । 12

5. प्रेमचन्द के अनुसार साहित्य के क्या उद्देश्य हैं —सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 12

GROUP–B

Special Paper : (*Nirala*)
विशेष अध्ययन का पत्र : (निराला)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य हैं । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए 8×2

1. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(*क*) अट्टालिका नहीं है रे
आतंक-भवन,
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन,
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर,
रोग शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।

अथवा

देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार ;
देखकर कोई नहीं
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोयी नहीं
सजा सहज सितार,
सुनी मैं ने वह नहीं जो थी सुनी झंकार ।

(*ख*) ये पुश्त-दर-पुश्त से सम्मान देकर नतमस्तक ही संसार से चले गये हैं । संसार की सभ्यता के इतिहास में इनका स्थान नहीं । ये नहीं कह सकते, हमारे पूर्वज कश्यप, भारद्वाज, कपिल, कणाद थे ; रामायण, महाभारत इनकी कृतियाँ हैं ; अर्थशास्त्र, कामसूत्र इन्होंने लिखे हैं ; अशोक विक्रमादित्य हर्षवर्द्धन, पृथ्वीराज इनके वंश के हैं । फिर भी ये थे, और हैं ।

अथवा

आशीर्वाद की शुभ्र हिम-धारा उन पर प्रवाहित है ; समुद्रों की फैली लता में आवर्तों के फूल खुले हुए अज्ञात किसी पर चढ़ रहे हैं ; डाल-डाल की बाहें अज्ञात की और पुष्प चढ़ाये हुए हैं । तृण-तृण पूजा के रूप और रूपक हैं ।

2. '''कुल्लीभाट' में हास्य-रस की प्रधानता है ।''—सोदाहरण विवेचन कीजिए । 12

3. 'चतुरी चमार' कहानी की समीक्षा कीजिए । 12

4. 'कुकुरमुत्ता' की प्रतीकात्मकता पर विचार करते हुए उसमें निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए । 12

5. 'साहित्य की प्रगति' निबन्ध में लेखक के व्यक्त विचारों का विश्लेषण कीजिए । 12